यशोदा हरी पालने झुलावे जी

यशोदा हरी पालने झुलावे जी,
हर रावे दुलराये मन हावे जी,
जोई सोई कशु कशु गावे यशोदा हारी पालने झुलावे जी,

मेरे लाल को आओ निन्दरियां,
काहे न कहानी सुहावे,
तू काहे न बेगी सी आवे,तू को कान्हा बुलावे,
यशोदा हरी पालने झुलावे जी,

कब हु पंक हरी मुंदिल एक है,
कब हु अधर पर गावे,
सोह्वत जानी मोन होराही,
करी करी सेना बतावे,
यशोदा हरी पालने झुलावे जी,

येही अंतर अकुलाई उठ हारी,
यशोमती मधुर गावे,
जो सुख सुर अमर मुनि दुर्लभ,
सो नन्द भावनी नि पावे,
यशोदा हरी पालने झुलावे जी,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16189/title/yashoda-hari-paalne-jhulaawe-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |